



● 02 दिवाली में लाएं चेहरे पर सोने सा निखार -- शहनाज हुसैन टिप्स

● 06 एक ही खेत से दोहरी पैदावार: कृषि और सौर ऊर्जा का संगम

● 08 पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है करवा चौथ

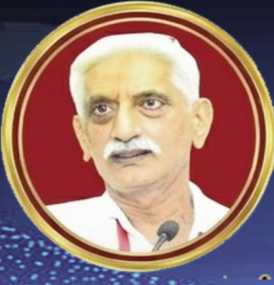
परिवहन विशेष समाचार पत्र को जिस तरह आप लोगों के सहयोग लगातार पिछले 3 वर्षों से प्राप्त हुआ और दिन प्रतिदिन आपकी आवाज को आगे पहुंचाने में आपका सहयोगी बना उसको देखते हुए परिवहन विशेष समाचार पत्र के प्रबंधक मंडल और ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज लिमिटेड कंपनी द्वारा जनहित, जनकल्याण जनसूचना और जानकारी को और तेजी से भारत सरकार और राज्य सरकारों के साथ सभी राजनीतिक संगठनों को सबसे पहले पहुंचाने के उद्देश्य से अक्टूबर माह से जनता की आवाज का अपना चैनल "परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन" शुरू करने का निर्णय लिया है।

जल्द आपके बीच में....

परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन

बड़ी खुशखबरी! अब आपकी आवाज गुंजेगी पूरी दुनिया में परिवहन विशेष समाचार पत्र के सफल 3 वर्षों के बाद अब नई क्रांति

आशा करते हैं जैसे आपने आज के इस दौर में "परिवहन विशेष समाचार पत्रों" को इतना आगे ले कर जाने में सहयोग दिया उसी प्रकार हमारे द्वारा आपकी आवाज बनने के लिए शुरू किए जा रहे "परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन" को विश्व का सबसे बड़ा चैनल बनवाएंगे।

संजय बाठला
मुख्य संपादक

दिल्ली परिवहन विभाग जो नियम बनाता है वही ले रहा है जनता की जान - पंजाबी बाग में दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा संचालित बस ने आज फिर बुझाया एक घर का जवान चिराग

दिल्ली परिवहन विभाग के नाम पर दौड़ रही निजी कंपनियों की बसें - बिना पूर्व सूचना संचालन परिवर्तन

रिपोर्ट नवदीप सिंह प्रस्तुतकर्ता संजय कुमार बाठला प्रधान संपादक

- संचालक: दिल्ली परिवहन विभाग - वास्तविकता: दिल्ली परिवहन विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना के दिल्ली में दिल्ली परिवहन निगम का संचालन बंद कर निजी कंपनियों की बसें पर अपना नाम लिखकर शुरू कर दिया संचालन, सभी बसें पर अब दिल्ली परिवहन विभाग लिखा मिलेगा

- पंजीकरण: दिल्ली परिवहन निगम के पास वर्तमान में सड़कों पर चलाने / चलवाने के लिए एक भी बस नहीं है और सड़कों पर चल रही सभी बसें जिन पर दिल्ली परिवहन विभाग लिखा हुआ है निजी कंपनियों के नाम पर पंजीकृत है

- हादसा: आज सुबह 28.10.2026 को पंजाबी बाग में दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा निजी कंपनी की संचालित बस (रूट 906 - कश्मीरी गेट, नीली इलेक्ट्रिक बस) द्वारा हादसा कर 22 वर्षीय सोनू को उतारा मौत के घाट

- मौके के साक्ष्य: हादसे के साथ

जनता द्वारा ली गई तस्वीरों में (10:28 AM से 12:16 PM) साफ लिखा दिख रहा है परिवहन विभाग

विस्तृत संपादकीय विश्लेषण: 1. **खेल क्या है ?** जनता आज भी समझती है कि सड़क पर डीटीसी बसें चल रही हैं, जबकि हकीकत में डीटीसी अब अस्तित्व में है ही नहीं।

दिल्ली की सड़कों पर चल रही सभी बसें निजी ऑपरेटरों की हैं जिन पर जनता को धोखा देने के लिए दिल्ली परिवहन विभाग लिखा गया है।

सबसे बड़ा सवाल यहां यह उठता है की इस तरह रोज होने वाले हादसों का जवाबदार कौन ?

1. दिल्ली परिवहन विभाग जो इन बसों का संचालक है ?

2. निजी कंपनी जिसके नाम पर बस पंजीकृत है ?

3. या फिर चालक, जो हादसे के समय बस चला रहा / रही थी ?

2. **आज का हादसा** - सिस्टम का आइना पंजाबी बाग में हुआ हादसा और लगातार प्रतिदिन होने वाले हादसे इसी अव्यवस्था का परिणाम है क्योंकि जब जो

विभाग खुद नियम, अधिनियम, फिटनेस, परमिट, स्पीड लिमिट तय करता है, उसकी दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा ही संचालित बसें बेलगाम दौड़ेंगी तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए ?

3. **हमारी मांगें:**

- **पारदर्शिता:** दिल्ली सरकार सार्वजनिक करे दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक सवारी सेवा बसें जिन पर दिल्ली परिवहन विभाग का नाम लिखा है वह किसकी है और किसके नाम पर पंजीकृत है।

- **जिम्मेदारी तय हो:** हर बस पर संचालक के नाम के साथ पंजीकृत कंपनी का नाम अनिवार्य रूप से लिखा हो।

- **जांच:** सोनू की मौत की जांच मात्र चालक की लापरवाही तक नहीं अपितु दिल्ली परिवहन विभाग के अधिकारियों की भूमिका तक हो और इस तरह के होने वाले हादसों के केस दिल्ली परिवहन विभाग, वाहन पंजीकृत कंपनी और चालक तीनों पर दर्ज हो ना की खानापूर्ति हो।

- **मुआवजा:** मृतक परिवार को दिल्ली परिवहन विभाग तत्काल अपने

फंड से मुआवजा दे 4. ***हादसे की न्यायिक जांच** 1. दिल्ली परिवहन विभाग जो संचालक की मुख्य भूमिका पर आसीन है 2. हादसे में लिप्त वाहन जिस के नाम पंजीकृत है 3. चालक और 4. चालक को सार्वजनिक सवारी सेवा के योग्य मानकर अधिकृत करने वाले अधिकारी

के खिलाफ निष्पक्ष जांच एजेंसी द्वारा न्यायिक जांच कराई जाए।

संपादकीय टिप्पणी दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक सवारी सेवा बसें द्वारा यह हो रही दुर्घटनाएँ केवल सड़क हादसा नहीं, बल्कि नीतिगत धोखे का मामला भी है।

जनता को पता ही नहीं कि बस किसकी है और संचालन किसका तो अंत में न्याय की उम्मीद कितनी ?

दिल्ली की जनता की तरफ से हम परिवहन विशेष समाचार पत्र मांग करते हैं कि दिल्ली सरकार और दिल्ली परिवहन विभाग इस संपूर्ण घटनाक्रम पर परिवर्तन पर श्वेत पत्र जारी करें।



परिवहन विभाग द्वारा संचालित बसों द्वारा सड़कों पर दर्दनाक हादसे जनता में आक्रोश - जवाबदेही कौन ?

तथ्य / FACT
• DTC नहीं, अब दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा संचालित निजी बसें
• सभी बसों पर 'दिल्ली परिवहन विभाग' लिखा है

जनता की मांगें / DEMANDS

1. पारदर्शिता श्वेत पत्र जारी हो बस संचालन, अनुबंध व सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक हो

2. चालक प्रशिक्षण और स्पीड गवर्नर जांच सभी चालकों की अनिवार्य प्रशिक्षण व

3. CCTV डैशकैम जांच प्रत्येक बस में CCTV व डैशकैम लगाया जाए, फुटेज की नियमित ऑडिट हो

4. पीडित परिवार को न्याय व मुआवजा दुर्घटना पीडित परिवारों को तत्काल वित्तीय सहायता व न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित हो

सड़क सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी | लापरवाही पर रोक, जवाबदेही तय हो | सुरक्षित यात्रा — सुरक्षित दिल्ली

जानकारी हेतु: परिवहन विभाग, दिल्ली सरकार • आम नागरिक सतर्क रहें, नियमों का पालन करें

संस्करण: अक्टूबर 2026 • अंक 26/10 • जनहित प्रकाशन

परिवहन विशेष समाचार पत्र - जनहित जनसूचना | OCTOBER 2026

टैपल आफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर अलाइड ट्रस्ट पंजीकृत
<https://tolwa.com/about.html> | tolwaindia@gmail.com, tolwadelhi@gmail.com

आज का साइबर सुरक्षा विचार: सीमा से परे: शराब की होम डिलीवरी और साइबर धोखाधड़ी का खतरा: नई सुविधा के साथ नई सावधानियाँ भी आवश्यक



पिंकी कुंडू

शराब की होम डिलीवरी सेवा का आधिकारिक शुभारंभ उपभोक्ताओं के लिए सुविधा लेकर आया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधियों को पुराने धोखाधड़ी के तरीकों को फिर से सक्रिय करने का अवसर भी मिल सकता है।

वर्ष 2022 में दिल्ली पुलिस के बाहरी उत्तरी जिले (Outer North District) ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया था, जिसमें मेवात आधारित अपराधियों ने प्रतिष्ठित शराब दुकानों के नाम पर फर्जी विज्ञापन चलाकर लोगों को गूगल और यूट्यूब विज्ञापनों के माध्यम से फंसाया तथा QR कोड और OTP के जरिए उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लिए। इस मामले में 200 से अधिक लोगों को ठगे जाने का आरोप सामने आया।

याद रखें
"ऑनलाइन शराब ऑर्डर करने से पहले विक्रेता की पुष्टि करें। QR कोड स्कैन करने से पहले उसके उद्देश्य को समझें। OTP साझा करने से पहले याद रखें कि यह आपके बैंक खाते को खाली कर सकता है।" साइबर अपराधियों का संभावित तरीका (Modus Operandi)

- फर्जी गूगल एवं सोशल मीडिया विज्ञापन
 - प्रसिद्ध शराब दुकानों के नाम से नकली विज्ञापन बनाना।
 - आधिकारिक वेबसाइट के स्थान पर केवल मोबाइल नंबर देना।
 - भारी छूट और तत्काल डिलीवरी का लालच देना।
- फर्जी वेबसाइट और ऐप**
 - असली शराब डिलीवरी पोर्टल जैसी नकली वेबसाइट बनाना।
 - मिलते-जुलते डोमेन नामों का उपयोग करना।
 - भुगतान संबंधी जानकारी एवं व्यक्तिगत डेटा एकत्र करना।
- QR कोड फ्रॉड**
 - ऑर्डर कन्फर्म करने के नाम पर QR कोड भेजना।
 - उपभोक्ता के स्कैन करते ही उसके खाते से भुगतान हो जाना।
- OTP धोखाधड़ी**
 - ऑर्डर कन्फर्मेशन, डिलीवरी वेरिफिकेशन, KYC या रिफंड के नाम पर OTP मांगना।
 - OTP का उपयोग कर बैंक खातों या डिजिटल वॉलेट तक पहुंच प्राप्त करना।
 - डिलीवरी में देरी या रिफंड की शिकायत करने वाले ग्राहकों को निशाना बनाना।
- एडवांस्ड पेमेंट स्कैम**
 - ऑर्डर कन्फर्मेशन से पहले पूरा भुगतान मांगना।
 - पैसे मिलने के बाद संपर्क समाप्त कर देना।

नागरिकों के लिए आवश्यक साइबर सुरक्षा उपाय

- केवल सरकारी मान्यता प्राप्त प्लेटफॉर्म का उपयोग करें
- शराब केवल अधिकृत विक्रेताओं एवं सरकार द्वारा अनुमोदित ऐप/वेबसाइट से ही

- ऑर्डर करें।
- उत्पाद शुल्क विभाग (Excise Department) या सरकारी अधिसूचनाओं के माध्यम से सत्यापन करें।
 - गूगल विज्ञापनों पर आंख बंद करके भरोसा न करें**
 - साइबर अपराधी प्रमोन्नित (Sponsored) विज्ञापन खरीद सकते हैं।
 - भुगतान से पहले वेबसाइट का URL स्वयं जांचें।
 - आधिकारिक ऐप स्टोर या सरकारी पोर्टल को प्राथमिकता दें।
 - OTP कभी साझा न करें याद रखें:**
 - OTP लेन-देन को अधिकृत करने के लिए होता है, ऑर्डर बुक करने के लिए नहीं।
 - यदि कोई व्यक्ति मांगता है:**
 - OTP
 - UPI PIN
 - CVV
 - नेट बैंकिंग पासवर्ड
 - तो यह निश्चित रूप से धोखाधड़ी हो सकती है।**
 - QR कोड के खतरे को समझें**
 - सामान्यतः QR कोड स्कैन करने का अर्थ पैसे प्राप्त करना नहीं, बल्कि भुगतान करना होता है।
 - स्वर्णिम नियम:** पैसे प्राप्त करने के लिए कभी भी QR कोड स्कैन करने या UPI PIN दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती।
 - व्यक्तिगत खातों में भुगतान करने से बचें
 - केवल सत्यापित व्यापारी (Merchant) खातों में ही भुगतान करें।
 - निम्न माध्यमों में भुगतान करने के लिए कहे जाने पर सावधान रहें:
 - व्यक्तिगत UPI ID

- निजी बैंक खाते
- अप्रमाणित वॉलेट
- कस्टमर केयर नंबर सत्यापित करें**
 - केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप पर उपलब्ध नंबरों का उपयोग करें।
 - केवल गूगल सर्च परिणामों पर निर्भर न रहें।
 - अवास्तविक छूट के झांसे में न आएं
 - निम्न प्रकार के ऑफर अक्सर धोखाधड़ी के संकेत हो सकते हैं:
 - "केवल आज 50% छूट"
 - "एक खरीदे, एक मुफ्त पाएं"
 - "प्रिमियम शराब आधी कीमत पर"
 - वेबसाइट की सुरक्षा जांचें भुगतान से पहले:
 - URL में धोखाधड़ी अवश्य देखें।
 - डोमेन नाम की सही स्पेलिंग जांचें।
 - लाइसेंस एवं GST विवरण उपलब्ध हैं या नहीं, यह सत्यापित करें।
 - व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखें
 - बिना उचित आवश्यकता के साझा न करें:
 - आधार संख्या
 - PAN विवरण
 - डेबिट/क्रेडिट कार्ड की फोटो
 - बैंकिंग स्क्रीनशॉट
 - सुरक्षित भुगतान विकल्प चुनें
 - जहां संभव हो, सीधे बैंक ट्रांसफर के बजाय क्रेडिट कार्ड या सुरक्षित भुगतान तंत्र का उपयोग करें।
 - धोखाधड़ी के प्रमुख संकेत (Red Flags)**
 - एडवांस्ड भुगतान के तुरंत बाद कुछ ही मिनटों में डिलीवरी का

- दावा।
- ऑर्डर कन्फर्म करने के लिए OTP मांगना।
 - रिफंड प्राप्त करने के लिए QR कोड स्कैन करने को कहना।
 - केवल WhatsApp के माध्यम से संपर्क करना।
 - दुकान का कोई भौतिक पता या लाइसेंस विवरण न होना।
 - तत्काल भुगतान करने का दबाव बनाना।
 - केवल मोबाइल नंबर को संपर्क माध्यम के रूप में दिखाना।
 - अत्यधिक छूट एवं आकर्षक ऑफर देना।
 - यदि आप साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाएं तुरंत:
 - राष्ट्रीय साइबर हेलपलाइन 1930 पर कॉल करें।
 - www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।
 - अपने बैंक को सूचित कर लेन-देन को रोकने/फ्रीज करने का अनुरोध करें।
 - निम्न साक्ष्य सुरक्षित रखें:
 - स्क्रीनशॉट
 - रसीदें
 - मोबाइल नंबर
 - क्वाट्रसएप चैट
 - QR कोड
 - वेबसाइट लिंक
 - निकटतम साइबर पुलिस थाने से संपर्क करें।
 - "अब शराब आपके घर तक पहुंच सकती है, लेकिन अपना OTP, UPI PIN, बैंकिंग विवरण या ऑनलाइन बैंक भरोसा कभी न सौंपें। भुगतान से पहले विक्रेता की, प्लेटफॉर्म की और उसकी वैधता की पूरी जांच करें। कोई भी वास्तविक शराब डिलीवरी सेवा कभी आपसे OTP या UPI PIN नहीं मांगती।"

बुराड़ी में परिवर्तन स्कीम मेला - भीड़ किसकी ?

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा निर्देश पर लगा मेला, स्टॉलों पर कंपनियां-बैंक-स्कैप डीलर तो दिखे, पर वाहन मालिक नदारद

बुराड़ी में परिवर्तन स्कीम मेला - भीड़ किसकी?
दिल्ली परिवहन विभाग जांच प्रमाण पत्र शाखा बुराड़ी | PNB PARIVARTAN MELA 28.10.2026

फोटो 1: SARAL Vehicle Scrapping Facility स्टॉल वाहन स्कैपिंग सुविधा पर भीड़, जानकारी से रहे वाहन मालिक

फोटो 2: Kotak Commercial Vehicle Finance स्टॉल बैंक फाइनेंस स्टॉल पर वाहन फाइनेंस के लिए प्रचार

फोटो 3: PNB PARIVARTAN MELA 28.10.2026 PNB के बैनर तले बैंक फाइनेंस की उपस्थिति

तथ्य (FACTS)	मुद्दा (ISSUE)	मांग (DEMAND)
<ul style="list-style-type: none"> SARAL Vehicle Scrapping Facility का स्टॉल सुविधा स्कैपिंग, कर्तार दुवारों के बैनर के साथ Kotak Commercial Vehicle Finance का स्टॉल कर्माग्रित वीहिकल फाइनेंस हेतु बैंक की मौजूदगी PNB PARIVARTAN MELA 28.10.2026 पंजाब नेशनल बैंक के बैनर, बैंक अधिकारियों की उपस्थिति 	<ul style="list-style-type: none"> भारत सरकार vs दिल्ली सरकार स्कीम दुविधा वाहन मालिकों में भ्रम: किस स्कीम का लाभ है? किस विभाग से प्रमाण पत्र? सूचना के अभाव में असमंजस, अलग-अलग प्रक्रियाओं को लेकर सवाल 	<ul style="list-style-type: none"> पारदर्शी नीति — एकपक्ष दिशा निर्देश जारी हो डर दूर करो वाहन मालिकों को स्पष्ट मार्गदर्शन मिले संयुक्त डेवेलपमेंट की जरूरत दिल्ली परिवहन विभाग व बैंक मिलकर करें समायोजन

प्रस्तुतकर्ता: संजय कुमार बाठला | प्रधान संपादक, परिवहन विशेष समाचार पत्र
October 2026 • बुराड़ी • विशेष रिपोर्ट

प्रस्तुतकर्ता: संजय कुमार बाठला, प्रधान संपादक

मुख्य तथ्य:

- स्थान: दिल्ली परिवहन विभाग की जांच प्रमाण पत्र शाखा, बुराड़ी
- आयोजन: परिवर्तन स्कीम के लिए मेला, MoRTI के दिशा निर्देश पर
- मौजूद: वाहन निर्माता कंपनियां, वाहन स्कैप डीलर, लोन देने वाले बैंक और फाइनेंस कंपनियों का जमघट
- गायब: अपने वाहन परिवर्तित कराने वाले आम वाहन मालिक - बहुत कम उपस्थिति
- विस्तृत विश्लेषण:

1. मेला लगा, ग्राहक नहीं आया: बुराड़ी शाखा में दर्जनों स्टॉल लगे। कंपनियों ने नए वाहन, स्कैप वैल्यू, लोन ऑफर के पोस्टर लगाए। पर जिस वाहन मालिक के लिए यह योजना है, वही दुविधा में है।

2. दो स्कीम, एक दुविधा: केंद्र सरकार (भारत सरकार) द्वारा घोषित स्कीम और दिल्ली सरकार द्वारा घोषित स्कीम में अंतर स्पष्ट नहीं। वाहन मालिक समझ नहीं पा रहा कि सके तहत आवेदन करे, क्या लाभ, क्या शर्तें। इसी भ्रम से डर पैदा हो रहा है।

3. दबाव की राजनीति? दिल्ली सरकार, प्रशासन और

परिवहन विभाग नियम से बाहर जाकर दबाव बना रहा है कि वाहन इस स्कीम में परिवर्तित करें। सवाल उठता है - यदि स्कीम इतनी आकर्षक है तो मालिकों में डर क्यों? डर को दूर करना अनिवार्य है, न कि दबाव बढ़ाना।

संपादकीय मांग:

- स्कीम की खांमियां दूर हो, एकल स्पष्ट सरल प्रक्रिया लागू हो
- वाहन मालिकों का डर दूर हो, पारदर्शी जानकारी और सुरक्षा सुनिश्चित हो
- यह स्कीम वाहन मालिकों के लिए है, किसी विशेष वर्ग के लिए नहीं - यह संदेश स्पष्ट हो।



मय व्रत के
सुबह 6
बजकर
व्रत
को अर्घ्य
जे से

दाक्षायणीपते ।
गृहाणार्घ्यं मय
गणेशप्रतिरूपक ॥
इसका अर्थ है
आकाश के माणिक्य
के प्रिय व श्री गणेश
मेरा अर्घ्य स्वीकार

वायु प्रदूषण के साथ ही जल प्रदूषण नियंत्रण भी बेहद जरूरी : डीसी

झज्जर जिला में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ाए जा रहे हैं कदम, डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा-ड्रेनों में दूषित पानी छोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

परिवहन विशेष न्यूज

झज्जर जिला में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ाए जा रहे हैं कदम डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा-ड्रेनों में दूषित पानी छोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों की बैठक में केसीबी मुंगेशपुर और ड्रेन नंबर आठ की नियमित निगरानी के निर्देश

झज्जर, 28 अक्टूबर

जिला प्रशासन आमजन को स्वच्छ वातावरण मुहैया कराने की दिशा में सक्रियता से कदम बढ़ा रहा है। वायु प्रदूषण रोकथाम के साथ ही जल प्रदूषण नियंत्रण पर भी प्रशासन का विशेष फोकस है। डीसी वर्षा खांगवाल प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे हर पहलू पर गंभीरता से मॉनिटरिंग कर रही हैं। डीसी ने कहा कि झज्जर जिला की सीमा से गुजरने वाली ड्रेन में केमिकलयुक्त और सीवरेज का दूषित पानी छोड़ने वालों के खिलाफ प्रशासन

सख्त कार्रवाई करेगा। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारी नियमित निगरानी सुनिश्चित करें और नियमों का उल्लंघन करने वाले औद्योगिक संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि दूषित पानी की निकासी से यमुना नदी प्रदूषित होने की आशंका बनी रहती है, जिसे रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। डीसी ने बुधवार को मंडल आयुक्त मोनिका मलिक के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सिंचाई विभाग के अधिकारियों की बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि कई बार सेप्टिक टैंकर के माध्यम से भी गंदे पानी नालों और ड्रेन में छोड़े जाने की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे मामलों की जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला से गुजरने वाली मुंगेशपुर ड्रेन, ड्रेन नंबर आठ और केसीबी ड्रेन में केमिकल युक्त दूषित पानी छोड़ने की किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ड्रेनों के माध्यम से यह दूषित पानी यमुना नदी तक पहुंचता है, जिससे जल प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। पानी में अमोनिया की मात्रा बढ़ना भी चिंता का विषय है। औद्योगिक इकाइयों की नियमित



जाएगा। ड्रेनों के माध्यम से यह दूषित पानी यमुना नदी तक पहुंचता है, जिससे जल प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। पानी में अमोनिया की मात्रा बढ़ना भी चिंता का विषय है। औद्योगिक इकाइयों की नियमित

जांच के निर्देश डीसी वर्षा खांगवाल ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन औद्योगिक इकाइयों में दूषित पानी के शोधन के लिए कॉमन ट्रीटमेंट प्लांट (सीटीपी) की व्यवस्था नहीं है, उनके

खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले पानी की नियमित जांच की जाए और यदि किसी फैक्टरी का दूषित पानी ड्रेन में पहुंचता पाया जाता है, तो संबंधित इकाई को नियमानुसार नोटिस जारी कर

कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (सीटीपी) की भी जांच की जाए, ताकि दूषित पानी का उचित शोधन सुनिश्चित हो सके। कसार लिंक ड्रेन के सभी पॉइंट की होगी जांच

डीसी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को कसार लिंक ड्रेन के सभी पॉइंट की जांच करने और नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ड्रेनों में गंदे पानी की निकासी रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग जिम्मेदारी से कार्य करें। प्रदूषण नियंत्रण के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों और संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी इकाई से बिना उचित शोधन के दूषित पानी बाहर न निकले। यह रहे मौजूद बैठक में एडीसी जगनिवास, सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सतीश कुमार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. सुनील श्योराण, जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन अमन मोर, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता पुनीत साहनी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों को निर्धारित अवधि में पूरा कराएं अधिकारी : प्रशासनिक सचिव

महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव व झज्जर जिला के प्रशासनिक सचिव शेखर विद्यार्थी ने अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश बैठक के दौरान प्रशासनिक सचिव ने धान-बाजरा खरीद कार्यों के साथ – साथ विकास योजनाओं व परियोजनाओं से जुड़े कार्यों की भी ली रिपोर्ट

झज्जर, 28 अक्टूबर

हरियाणा के महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव व झज्जर जिला के प्रशासनिक सचिव शेखर विद्यार्थी ने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष जिलाभर में चल रही विकास परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समयअवधि में पूरा करना सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को इन योजनाओं का त्वरित लाभ मिल सके। प्रशासनिक सचिव शेखर विद्यार्थी बुधवार को लघु सचिवालय सभागार में जिला में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जिला में बाजरा व धान खरीद को लेकर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। झज्जर पहुंचने पर डीसी वर्षा खांगवाल ने आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी का स्वागत करते हुए जिलाभर में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा पर जल्द से जल्द अमल करके उनको पूरा करवाया जाए। इसके अलावा सीएम अनाउंसमेंट के तहत जो कार्य पूरे हो चुके हैं उनकी यूसी (यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट) जल्द से जल्द भिजवाई जाए। सभी विभाग संबंधित विकास कार्यों को पोर्टल पर अपडेट करवाएं ताकि सही वास्तविक स्थिति का पता चल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के तहत चल रहे कार्यों में विभागीय स्तर पर किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अगर कोई बाधा आती है तत्काल उनके कार्यालय को अवगत कराएं। बैठक के दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए प्रगति को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। प्रशासनिक सचिव शेखर विद्यार्थी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास कार्यों को गति देना और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी अधिकारी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, ताकि जिले में विकास कार्यों को नई दिशा मिल सके। बैठक में यह अधिकारी रहे मौजूद इस अवसर पर डीसीपी धारणा यादव, एडीसी जगनिवास, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, एसडीएम झज्जर रवि मीणा, सीईओ जिला परिषद मनीष फोगाट, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, एसडीएम बादली विशाल कुमार, सीटीएम ऋतु सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।



दिल्ली में 1 नवंबर से बीएस-6 से नीचे के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध नियम तोड़ने पर होगी सख्त कार्रवाई : डीटीओ

इलेक्ट्रिक, सीएनजी, एलएनजी और आपातकालीन सेवाओं तथा सरकारी विशेष इयूटी वाले वाहनों को रहेगी छूट

बहादुरगढ़, 28 अक्टूबर।

एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर 2026 से देश की राजधानी दिल्ली में वाहनों के प्रवेश को लेकर नए नियम लागू होंगे। इन नियमों के तहत दिल्ली के बाहर पंजीकृत ऐसे वाहन, जिनका उत्सर्जन मानक बीएस-6 से नीचे है, उन्हें दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रतिबंध 30 जनवरी 2027 तक लागू रहेगा। इसमें मालवाहक वाहन और बसें भी शामिल हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ लागू नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) रवीश हुड्डा ने दी। डीटीओ ने बताया कि वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग, हरियाणा सरकार की ओर से वाहन चालकों और परिवहन संचालकों को नए नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। 1 नवंबर से दिल्ली में प्रवेश करने से पहले वाहन चालक अपने वाहन के उत्सर्जन मानक की जांच अवश्य कर लें। बीएस-6 से नीचे के मानक वाले दिल्ली के बाहर पंजीकृत वाहनों को दिल्ली में प्रवेश नहीं करना चाहिए।

इलेक्ट्रिक, सीएनजी और एलएनजी वाहनों को छूट डीटीओ ने बताया कि निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार इलेक्ट्रिक (ईवी), सीएनजी और एलएनजी से चलने वाले वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। इसके अलावा आपातकालीन सेवाओं तथा सरकारी संप्रभु कर्तव्यों के निर्वहन में लगे वाहनों को भी छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि बस संचालक, मालवाहक वाहन मालिक और ट्रांसपोर्ट यूनियन नए नियमों की जानकारी अपने सभी चालकों तक पहुंचाएं, ताकि नियम लागू होने के बाद किसी प्रकार की परेशानी न हो। नियमों की पालना सुनिश्चित करें वाहन चालक डीटीओ रवीश हुड्डा ने वाहन चालकों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं और निर्धारित उत्सर्जन मानकों का पालन करें। उन्होंने

कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है। ऐसे में प्रदूषण कम करने के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप वाहनों का संचालन आवश्यक है। वाहन चालक दिल्ली में प्रवेश करने से पहले लागू नियमों की जानकारी लें और उनका पालन सुनिश्चित करें।



बरवाला में अवैध कॉलोनी पर चला पीला पंजा, 6.5 एकड़ में विकसित एआरपी-2 कॉलोनी को किया ध्वस्त

जिला नगर योजनाकार दिनेश कुमार के नेतृत्व में हुई कार्रवाई, आमजन से अवैध कॉलोनियों में निवेश न करने की अपील

परिवहन विशेष न्यूज

हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा) बरवाला के जींद रोड पर स्थित लगभग 6.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही एआरपी-2 कॉलोनी के खिलाफ जिला नगर योजनाकार कार्यालय हिसार की टीम ने कार्रवाई करते हुए पीला पंजा चलाया और कॉलोनी में किए गए निर्माण एवं विकास कार्यों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई जिला नगर योजनाकार हिसार दिनेश कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में की गई। विभाग के अनुसार, संबंधित कॉलोनी अवैध रूप से विकसित की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान जिला नगर योजनाकार कार्यालय से कनिष्ठ अभियंता, पटवारी शमशेर तथा ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में खंड कृषि अधिकारी श्याम बिहारी उपस्थित रहे। विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध कॉलोनी में किए गए विकास कार्यों को हटाने की कार्रवाई की। अवैध कॉलोनियों में निवेश कर जीवनभर की जमा-पूंजी जोखिम में न डालें: दिनेश कुमार जिला नगर योजनाकार दिनेश

कुमार ने आमजन को आगाह करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनी आइजर भाले-भाले लोगों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर और आकर्षक वादे करके प्लॉट खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। कई बार लोग कम कीमत और बेहतर भविष्य की उम्मीद में अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी ऐसी संपत्तियों में लगा देते हैं, जिनकी कानूनी स्थिति स्पष्ट नहीं होती। बाद में उन्हें मूलभूत सुविधाओं, निर्माण की अनुमति और संपत्ति की वैधता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक अपनी मेहनत की कमाई निवेश करने से पहले संपत्ति की वैधता की पूरी जांच अवश्य करें। केवल कॉलोनाइजर के मौखिक आश्वासनों, विज्ञापनों या आकर्षक दावों के आधार पर प्लॉट खरीदने का निर्णय न लें। संबंधित कॉलोनी का लाइसेंस, स्वीकृत लेआउट प्लान तथा अन्य आवश्यक अनुमतियां संबंधित विभाग से सत्यापित करवाने के बाद ही निवेश करें। दिनेश कुमार ने जिला हिसार के नागरिकों से अपील की कि वे किसी के बहकावे या लालच में आकर अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। अपनी जीवनभर की कमाई को सुरक्षित रखने के लिए केवल नियमानुसार स्वीकृत एवं वैध



संपत्तियों में ही निवेश करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता और समय रहते की गई जांच से आमजन को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सकता है। जिला नगर योजनाकार कार्यालय की इस कार्रवाई के माध्यम से आमजन को संदेश दिया गया कि अवैध कॉलोनियों में निवेश करने से पहले उनकी कानूनी स्थिति की जांच करना जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

काशी विश्वनाथ मंदिर में मर्यादित परिधान की अपील, शिव बारात समिति ने काशी विश्वनाथ मंदिर के डिप्टी कलेक्टर शंभू शरण से किया मुलाकात



मंदिर फैशन का नहीं, आस्था और मर्यादा का केंद्र है - दिलीप सिंह (संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- मंदिर केवल दर्शन-पूजन का स्थान ही नहीं, बल्कि हमारी आस्था, धर्म और संस्कृति का केंद्र होता है जहाँ दर्शन का महत्व है वहीं मंदिर में परिधान की मर्यादा का भी उतना ही महत्व है। आज चिंता का विषय है कि मंदिर धीरे-धीरे परिधान और फैशन का केंद्र बनते जा रहे हैं जबकि मंदिर में जाते समय विशेषकर महिलाओं का परिधान मर्यादित और संस्कारयुक्त होना चाहिए। इसी गंभीर विषय पर शिव बारात समिति का प्रतिनिधि मंडल काशी विश्वनाथ मंदिर के डिप्टी कलेक्टर शंभू शरण से मुलाकात के दौरान शिव बारात समिति के दिलीप सिंह, कमल कुमार सिंह, शम्मी खत्री, संजय अग्रवाल, डॉक्टर एस के खन्ना, मनीष मिश्रा और विवेक शुक्ला उपस्थित थे।

अयोध्या के रामायण वैक्स म्युजियम में माता सीता की मोम प्रतिमा पर मुजफ्फरपुर के प्रधान शिक्षक केशव कुमार का सुझाव, पारंपरिक आंचल प्रदर्शित करने की मांग

राजकीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से सम्मानित शिक्षक ने संबंधित प्राधिकारों को भेजा अनुरोध; भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के अनुरूप प्रतिमा के स्वरूप पर विचार करने की अपील

मुजफ्फरपुर, बिहार। अयोध्या स्थित रामायण वैक्स म्युजियम में स्थापित माता सीता की मोम प्रतिमा के स्वरूप को लेकर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के प्रधान शिक्षक केशव कुमार ने एक सांस्कृतिक सुझाव दिया है। उन्होंने माता सीता की प्रतिमा में भारतीय परंपरा के अनुरूप सिर पर आंचल अथवा घूंघट प्रदर्शित करने का विनाम प्रस्ताव किया है। इस संबंध में उन्होंने संरक्षालय प्रबंधन, अयोध्या के जिलाधिकारी, मंडलायुक्त तथा अनेक अनुरोध में उल्लिखित उपदर्शन विभाग के निदेशक को पत्र भेजा है। उन्होंने अपने अयोध्या भ्रमण के दौरान स्वयं खींची गई तस्वीरें भी अनुरोध के साथ संलग्न की हैं। परिवार के साथ भ्रमण के दौरान आया धिवार केशव कुमार १4 अक्टूबर २0१6 को सुबह लगभग 9:30 बजे अपने परिवार के साथ अयोध्या स्थित रामायण वैक्स म्युजियम के भ्रमण पर पहुंचे थे। इस यात्रा में उनके साथ पिता मारुत चंद प्रिदेदी, माता रेणु देवी, ससुर बच्चा प्रसाद सिंह, सास अम्मा देवी, पत्नी श्रौति कुमारी और पुत्र शिवाचंद प्रिदेदी भी थे। परिवार के साथ भ्रमण के दौरान उन्होंने संरक्षालय में स्थापित प्रतिमाओं को देखा। इसी क्रम में माता सीता की मोम प्रतिमा के स्वरूप पर उनका ध्यान गया। उनकी सांस्कृतिक समझ और पारंपरिक देशभूषा के प्रति सम्मान की भावना से यह धिवार सामने आया कि प्रतिमा में माता सीता के सिर पर

पारंपरिक आंचल अथवा घूंघट भी प्रदर्शित किया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने अपने सुझाव को केवल व्यवहृतगत विचार तक सीमित न रखते हुए संबंधित प्राधिकारों और संरक्षालय प्रबंधन तक पहुँचाने का निर्णय लिया। इस उद्देश्य से उन्होंने अनुरोध-पत्र के साथ अपने मोबाइल से खींची गई तस्वीरें भी संलग्न कीं, ताकि प्रतिमा के वर्तमान स्वरूप को देखकर उनके सुझाव पर विचार किया जा सके।

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्यों के लिए राजकीय शिक्षक पुरस्कार १०१६ से सम्मानित केशव कुमार मुजफ्फरपुर जिले के नुरोत प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय मौनपुर स्ट्रैंड में प्रधान शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्यों के लिए उन्हें राजकीय शिक्षक पुरस्कार २0१6 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 5 सितंबर २0१6 को शिक्षक दिवस के अवसर पर पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में बिहार के मानवीय शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी के शरण प्रदान किया गया।

विद्यार्थी बेटाव, बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने और शिक्षक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ केशव कुमार शिक्षक-संस्थान एवं शैक्षिक नवाचारों से जुड़ी गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

वे डिस्ट्रिक्ट टैक्निकल टीम (PBL) तथा डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन (TORL) के रूप में दायित्व निभाते हैं।उन भूमिकाओं के अंतर्गत वे परियोजना-आधारित शिक्षण (PBL) तथा बच्चों की सीखने की दक्षताओं को बेहतर बनाने से संबंधित शैक्षिक प्रयासों में

सहयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त, वे टीचर्स ग्रॉफ बिहार (TOB) में स्टेट टीम कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्यरत हैं। इस गंव के माध्यम से वे शिक्षक समुदाय के बीच समन्वय, शैक्षिक अनुभवों के आदान-प्रदान और नवाचारों को साझा करने से जुड़ी गतिविधियों में योगदान देते हैं।

माता सीता की प्रतिमा में पारंपरिक आंचल प्रदर्शित करने का आग्रह

केशव कुमार का कहना है कि माता सीता भारतीय सांस्कृतिक परंपरा और रामायण की कथा में विशेष श्रद्धा एवं सम्मान का स्थान रखती हैं। उनके व्यक्तित्व से त्याग, गम्भीरा, धैर्य और गौरवा जैसे आदर्श जुड़े हुए हैं। इसी सांस्कृतिक भावना को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सुझाव दिया है कि रामायण से संबंधित संरक्षालय में स्थापित माता सीता की मोम प्रतिमा में पारंपरिक भारतीय वेशभूषा के अनुरूप सिर पर आंचल अथवा घूंघट प्रदर्शित करने पर विचार किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनका अनुरोध केवल माता सीता की प्रतिमा के संबंध में है। भगवान श्रीराम की प्रतिमा के स्वरूप में किसी प्रकार के बदलाव की मांग नहीं की गई है। उनके अनुसार, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से जुड़ी प्रतिमाओं के प्रस्तुतीकरण में भारतीय परंपराओं और जनमानसों के प्रति संवेदनशीलता बरतना अयोध्या से सकता है। उनका उद्देश्य किसी कलाकार, संस्था या संरक्षालय प्रबंधन की आलोचना करना नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक समझ के आधार पर एक विनम्र सुझाव संबंधित प्राधिकारों तक पहुँचाना है।

झारसुगुड़ा से निकलने वाली राख सुंदरगढ़ ही नहीं, सीमावर्ती राज्यों तक पहुंचने के आरोप; बांसजोर में सैकड़ों ट्रिप डॉपिंग पर सवाल

प्रदूषण नियंत्रण विभाग की भूमिका और एनजीटी की सक्रियता को लेकर उठ रही चिंता

रिपोर्ट ड़ राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला

औद्योगिक विकास की कीमत आखिर कब तक आम जनता अपनी सेहत, पर्यावरण और जीवन की गुणवत्ता से चुकाती रहेगी ? फ्लाई ऐश के कथित अवैध डंपिंग का मामला अब केवल प्रदूषण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सरकारी जमीन, वन क्षेत्र और प्रशासनिक निगरानी की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

आरोप है कि झारसुगुड़ा जिले के

औद्योगिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाली फ्लाई ऐश को स्थानीय स्तर पर निस्तारण पर रोक या प्रतिबंध की स्थिति बनने के बाद सुंदरगढ़ जिले सहित छत्तीसगढ़ और झारखंड के सीमावर्ती जिलों व इलाकों में बेखोफ डंप किया जा रहा है। राउरकेला से सटे झारखंड के सिमडेगा जिले के बांसजोर क्षेत्र में सड़क किनारे सैकड़ों ट्रिप फ्लाई ऐश गिराए जाने की बात सामने आ रही है। यदि यह दावा सही है, तो यह केवल नियमों की अनदेखी नहीं, बल्कि पर्यावरणीय जवाबदेही की बड़ी परीक्षा है।

सड़क किनारे राख के ढेर, निगरानी तंत्र कहाँ ?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में फ्लाई ऐश आखिर किसने पहुंचाई और किसकी अनुमति से उसे खुले में डाला गया ? यदि डॉपिंग सरकारी जमीन अथवा वन भूमि पर हुई है, तो भूमि की प्रकृति, परिवहन वाहनों की आवाजाही और लगातार जमा होते



राख के ढेर संबंधित विभागों की नजर से कैसे बच गए ? क्या नियमित निरीक्षण नहीं हुआ, या निगरानी व्यवस्था में कहीं गंभीर चूक हुई ? इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आने चाहिए।

फ्लाई ऐश के खुले में जमाव से हवा में महीन कण फैलने, आसपास की मिट्टी और जलस्रोत प्रभावित होने तथा स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने का खतरा रहता है। ऐसे में इसे महज जमीन पर फेंका गया औद्योगिक कचरा मानकर

नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग और एनजीटी की जवाबदेही

प्रदूषण नियंत्रण विभाग की जिम्मेदारी केवल उद्योगों से रिपोर्ट लेने तक सीमित नहीं हो सकती। उसे स्रोत से लेकर परिवहन और अंतिम निस्तारण स्थल तक निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के समक्ष भी यह सवाल उठता है कि पर्यावरणीय नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन और उल्लंघनों

पर कार्रवाई की व्यवस्था जमीन पर कितनी असरदार है।

अब जरूरत है कि संबंधित राज्यों के प्रशासन, वन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियां संयुक्त जांच करें, डंपिंग स्थलों की पहचान कराएं, वाहनों तथा संबंधित औद्योगिक स्रोतों का पता लगाएं और दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कार्रवाई करें।

सवाल सीधा है—पर्यावरण की कीमत कौन चुकाएगा ?

यदि सरकारी और वन भूमि पर इस तरह फ्लाई ऐश डंप किए जाने की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। जांच के बिना प्रशासनिक मिलीभगत का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं, लेकिन इतनी बड़ी कथित गतिविधि पर चुप्पी भी स्वीकार्य नहीं हो सकती। अब देखना है कि शासन और नियामक संस्थाएं कार्रवाई करती हैं या पर्यावरण संरक्षण के नियम कागजों तक ही सीमित रह जाते हैं।

राउरकेला महानगर निगम चुनाव पर अनिश्चितता के बादल

समय बीत रहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था का इंजिन बरकरार ; निर्वाचित प्रतिनिधियों के अभाव में प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल

रिपोर्ट ड़ राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला

शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और स्थानीय लोकतंत्र से जुड़ा राउरकेला महानगर निगम का चुनाव एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। महानगर निगम के गठन के बाद भी नियमित निर्वाचित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक जवाबदेही पर बहस तेज कर दी है। समय गुजरने के साथ चुनाव की प्रतीक्षा लंबी होती जा रही है, लेकिन आम नागरिकों की अपेक्षाओं को ठोस राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बदलने की राह अब भी स्पष्ट नहीं है।

स्थानीय स्वशासन का मूल उद्देश्य केवल प्रशासन चलाना नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनना, प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास कार्य कराना और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित

करना है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि वाई स्तर पर लोगों की आवाज बनते हैं। सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, जलनिकासी और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाना तथा उनके समाधान के लिए दबाव बनाना उनका महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

ऐसे में चुनाव में देरी का प्रश्न केवल राजनीतिक दलों या संभावित उम्मीदवारों तक सीमित नहीं रह जाता। इसका सीधा संबंध आम नागरिकों की भागीदारी और स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही से है। जब जनता को अपने वाई का प्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं मिलता, तब शिकायतों के समाधान और विकास कार्यों की प्राथमिकताओं को लेकर जवाबदेही का सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है।

राउरकेला जैसे औद्योगिक और तेजी से विकसित होते शहर में प्रभावी नगर प्रशासन की आवश्यकता और भी अधिक है। बढ़ती आबादी, शहरी विस्तार और



नागरिक सुविधाओं की बढ़ती मांग के बीच निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रशासनिक व्यवस्था आवश्यक है, लेकिन वह लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का स्थायी विकल्प नहीं हो सकती।

अब सवाल यह है कि राउरकेला महानगर निगम के चुनाव को लेकर स्पष्ट समयसीमा कब सामने आएगी ? संबंधित प्रशासन और राज्य सरकार को चुनावी प्रक्रिया को स्थिति स्पष्ट करते हुए नागरिकों को

भरोसे में लेना चाहिए। आखिर स्थानीय लोकतंत्र की मजबूती केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि समय पर चुनाव और जनता के प्रति जवाबदेह व्यवस्था से सुनिश्चित होती है।

रंजीत नगर में करवा चौथ के उपलक्ष्य में महिलाओं का सम्मान



रिपोर्ट नवदीप सिंह परिवहन विशेष समाचार पत्र

आज शाम रंजीत नगर क्षेत्र में करवा चौथ के पावन पर्व के अवसर पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेविका राजकुमारी देवी रहीं।

समारोह के दौरान समाज सेविका राजकुमारी देवी ने क्षेत्र की महिलाओं को करवा चौथ की पूर्व संस्था पर चूड़ी और मेहंदी भेंट कर सम्मानित किया। इस पहेल का उद्देश्य महिलाओं के बीच आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना और इस पारंपरिक पर्व की संस्कृति को और अधिक उल्लासपूर्ण बनाना

था। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने इस स्नेहपूर्ण उपहार और सम्मान के लिए राजकुमारी देवी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पूरा माहौल उत्सव के रंग में रंगा नजर आया और महिलाओं ने पारंपरिक गीत-संगीत के साथ इस पर्व का स्वागत किया।

सुंदरगढ़ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन, भ्रष्टाचार के खिलाफ ईमानदारी की शपथ

‘साधुता से समृद्धि’ के संदेश के साथ जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

रिपोर्ट ड़ राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र सुंदरगढ़

भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुंदरगढ़ में जिला स्तरीय सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सतर्कता विभाग की सुंदरगढ़ शाखा और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय विकास भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों ने भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए सामूहिक जिम्मेदारी, ईमानदारी और जवाबदेही को आवश्यक बताया।

राज्यभर में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह की इस वर्ष की थीम ‘साधुता से समृद्धि’ (Probity for Prosperity) है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भुवनेश्वर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वचुंअल माध्यम द्वारा राज्य मुख्यालय, जिला मुख्यालयों और ब्लॉक मुख्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध ईमानदारी की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में अतिरिक्त

जिलाधिकारी सूरज पटनायक, सुंदरगढ़ वन मंडल अधिकारी खुशवंत सिंह, राउरकेला सतर्कता मंडल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोमनाथ जेना, सतर्कता विभाग की सुंदरगढ़ शाखा के डीएसपी दैतारी घइई, डीएसपी राजेंद्र सिंघल तथा जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश चंद्र महंती अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी नंदिनी मुंडारी ने स्वागत भाषण दिया। डीएसपी दैतारी घइई ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए समाज से भ्रष्टाचार की जड़ों को समाप्त करने के लिए जनसहयोग का आह्वान किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोमनाथ जेना ने प्रत्येक व्यक्ति से अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी के साथ करने और भ्रष्ट आचरण से दूर रहने की अपील की।

अतिरिक्त जिलाधिकारी सूरज पटनायक ने भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए नागरिकों और सरकारी कर्मचारियों को सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता और सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत विद्यालयों, उच्च माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच विद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। कार्यक्रम में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।



सतर्कता निरीक्षक वृंदावती तांडी ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि शिक्षिका स्वागतिका पंडा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में जिला स्तरीय

अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों की सदस्यएं, आशा कार्यकर्ता, वरिष्ठ नागरिक, सतर्कता विभाग के कर्मचारी तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संदेश स्पष्ट है—भ्रष्टाचार पर अंकुश केवल सरकारी कार्रवाई से नहीं, बल्कि प्रशासनिक ईमानदारी, पारदर्शिता और जनभागीदारी से ही संभव है।

एक ही खेत से दोहरी पैदावार: कृषि और सौर ऊर्जा का संगम



डॉ. विजय गर्ग

एग्रीवोल्टिक्स वह प्रणाली है, जिसमें एक ही भूमि पर कृषि उत्पादन और सौर फोटोवोल्टिक तकनीक का एक साथ उपयोग किया जाता है। सौर पैनलों को उचित ऊँचाई और दूरी पर स्थापित किया जाता है, ताकि उनके नीचे या बीच में खेती की जा सके। इस प्रणाली के अंतर्गत सब्जियाँ, पशुओं के लिए हरा चारा, औषधीय पौधे और आंशिक छाया में उगने वाली कुछ फसलें पैदा की जा सकती हैं।

पारंपरिक सौर ऊर्जा पार्कों में कृषि गतिविधियाँ कम हो सकती हैं, लेकिन एग्रीवोल्टिक्स का उद्देश्य खेती और ऊर्जा उत्पादन को साथ-साथ जारी रखना है। भारत जैसे देश में, जहाँ कृषि खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह तकनीक विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकती है।

भारतीय किसानों के लिए संभावित लाभ

इस प्रणाली का सबसे बड़ा लाभ किसानों की आय के दो स्रोत विकसित करना है। किसान कृषि उपज बेचकर और सौर बिजली से भी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

स्वामित्व और समझौते की शर्तों के अनुसार बिजली को विद्युत ग्रिड में बेचा जा सकता है अथवा सिंचाई पंपों और अन्य कृषि कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

सौर पैनल आंशिक छाया भी प्रदान करते हैं। गर्म और शुष्क क्षेत्रों में यह एक फायदा है।

अत्यधिक गर्मी से बचाने तथा मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद कर सकती है। हालाँकि, इसका लाभ फसलों के मूल्यमान, स्थानीय जलवायु, पैनलों की ऊँचाई, उनके बीच की दूरी

सिलाई के हुनर: जीवन को सशक्त बनाने का माध्यम, हर टाँका आशा की एक कहानी

डॉ. विजय गर्ग

सिलाई केवल सुई और धागे से कपड़े के दो टुकड़ों को जोड़ने की प्रक्रिया नहीं है। यह एक महत्वपूर्ण जीवन-कौशल है, जिसमें रचनात्मकता, धैर्य, सटीकता और व्यावहारिक ज्ञान का सुंदर समन्वय होता है। लाखों लोगों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं के लिए, सिलाई सशक्तीकरण, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का एक प्रभावशाली साधन बन गई है। सिलाई का प्रत्येक टाँका केवल कारीगरी का प्रतीक नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक कदम भी है।

आत्मनिर्भरता की ओर सिलाई का मार्ग

कई समुदायों में आर्थिक तंगी लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित परिवारों की महिलाओं को सीमित शिक्षा, पारिवारिक जिम्मेदारियों तथा रोजगार के कम अवसरों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सिलाई उन्हें घरेलू जिम्मेदारियों के साथ-साथ आय अर्जित करने का व्यावहारिक अवसर प्रदान करती है।

बुनियादी प्रशिक्षण, एक सिलाई मशीन और दृढ़ इच्छाशक्ति के सहारे महिलाएँ कपड़े सिलने, पुराने कपड़ों की मरम्मत करने, स्कूल की वर्दियों बनाने तथा घरेलू उपयोग की कपड़े से बनी वस्तुएँ तैयार करने का काम शुरू कर सकती हैं। धीरे-धीरे ये छोटे प्रयास आय के स्थायी स्रोत बन सकते हैं।



कुछ महिलाएँ घर से काम करती हैं, जबकि अन्य सिलाई केंद्र, बुटीक या छोटे कपड़ा व्यवसाय स्थापित करती हैं।

ऐसे अवसर महिलाओं की आर्थिक निर्भरता कम करते हैं और परिवार के निर्णयों में उनकी भागीदारी बढ़ाते हैं। जब महिलाएँ परिवार की आय में योगदान देती हैं, तो उनके सम्मान, आत्मविश्वास और अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने की क्षमता में भी वृद्धि होती है।

व्यावहारिक कौशल के माध्यम से शिक्षा

शिक्षा हमेशा कक्षा की चारदीवारी तक सीमित नहीं होती। सिलाई जैसे व्यावहारिक कौशल उन लोगों के लिए सीखने के मूल्यवान अवसर प्रदान करते हैं, जिन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते।

सिलाई का प्रशिक्षण एकाग्रता, हाथों और आँखों के बीच समन्वय, माप लेने, समस्याओं का समाधान करने तथा डिजाइन बनाने की क्षमता विकसित करता है। प्रशिक्षु कपड़ों की विभिन्न किस्मों, पैटर्न, रंगों के संयोजन और परिधान निर्माण की तकनीकों के बारे में सीखते हैं। ये गतिविधियाँ रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को भी प्रोत्साहित करती हैं।

व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, स्कूल, सामाजिक संस्थाएँ और सामुदायिक संगठन सिलाई की शिक्षा को अधिक लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अल्पकालीन पाठ्यक्रम और कार्यशालाएँ युवाओं तथा वयस्कों को रोजगार योग्य कौशल प्रदान कर



सिलाई का प्रशिक्षण एकाग्रता, हाथों और आँखों के बीच समन्वय, माप लेने, समस्याओं का समाधान करने तथा डिजाइन बनाने की क्षमता विकसित करता है। प्रशिक्षु कपड़ों की विभिन्न किस्मों, पैटर्न, रंगों के संयोजन और परिधान निर्माण की तकनीकों के बारे में सीखते हैं। ये गतिविधियाँ रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को भी प्रोत्साहित करती हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, स्कूल, सामाजिक संस्थाएँ और सामुदायिक संगठन सिलाई की शिक्षा को अधिक लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अल्पकालीन पाठ्यक्रम और कार्यशालाएँ युवाओं तथा वयस्कों को रोजगार योग्य कौशल प्रदान कर सकती हैं।

सिलाई मशीन से उद्यमिता तक एक सिलाई मशीन छोटे व्यवसाय की नींव बन सकती है। शुरुआत में कोई व्यक्ति पड़ोसियों और रिश्तेदारों के कपड़े सिलने के ऑर्डर ले सकता है। अनुभव और ग्राहकों का विश्वास बढ़ने के साथ यह व्यवसाय स्थानीय बाजारों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से आगे बढ़ सकता है।

मनपसंद डिजाइन के कपड़े, कढ़ाई, कपड़ों की मरम्मत, बच्चों के परिधान, पुनः उपयोग योग्य थैले और घर के जूतावट से जुड़ी कपड़े की वस्तुएँ तैयार करना आपके अच्छे अवसर प्रदान करता है। डिजिटल माध्यमों से छोटे उद्यमी अपने उत्पाद प्रदर्शित कर सकते हैं और दूर-दराज के ग्राहकों तक पहुँच सकते हैं।

हालाँकि, सफलता के लिए केवल सिलाई का कौशल पर्याप्त नहीं है। काम की गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी, उचित मूल्य, ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार और वित्तीय योजना भी आवश्यक हैं। किफायती उपकरण, कच्चा माल, प्रशिक्षण और



छोटे ऋण उपलब्ध कराना नए उद्यमियों की सहायता कर सकता है।

सिलाई और सामाजिक परिवर्तन

सिलाई का प्रभाव व्यक्तिगत कमाई तक सीमित नहीं रहता। जब महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तो पूरे परिवार को लाभ होता है। अतिरिक्त आय से बच्चों के लिए शैक्षणिक भोजन, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ, शिक्षा के साधन और बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है।

सिलाई समूह और स्वयं सहायता समूह सहयोग तथा आपसी समर्थन की भावना को बढ़ावा देते हैं। महिलाएँ उपकरण साझा कर सकती हैं, सामूहिक रूप से सामग्री खरीद सकती हैं और बड़े ऑर्डर मिलकर पूरे कर सकती हैं। इससे सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं और अकेलेपन की भावना कम होती है।

विधवाओं, एकल माताओं, दिव्यांग व्यक्तियों तथा रोजगार संबंधी कठिनाइयों का सामना करने वाले लोगों के लिए सिलाई आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने का एक लचीला माध्यम बन सकती है।

सिलाई पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देती है। पुराने कपड़ों की मरम्मत, इस्तेमाल किए गए कपड़ों का पुनः उपयोग और बेकार कपड़े से उपयोगी वस्तुएँ बनाना कचरे को कम करता है तथा जिम्मेदार उपभोग को प्रोत्साहित करता है। प्रदूषण और अत्यधिक उपभोग की बढ़ती चिंताओं के बीच इन पारंपरिक कौशलों का महत्व और भी बढ़ गया है।



आशा को अवसर में बदलना

सिलाई आधारित आजीविका के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। कम मेहनताना, अनियमित ऑर्डर, महँगी सामग्री और बड़े पैमाने पर तैयार होने वाले कपड़ों से प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो सकता है। कई प्रतिभाशाली लोगों के पास सिलाई मशीन खरीदने या पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं होते।

सरकार, शिक्षण संस्थान, गैर-सरकारी संगठन और सामाजिक नेतृत्व किराताई प्रशिक्षण, उपकरणों की सहायता, बाजार तक पहुँच तथा उद्यमिता संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध करार इन बाधाओं को दूर कर सकते हैं। स्कूलों में सिलाई जैसे व्यावहारिक कौशलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी श्रम की गरिमा को समझ सकें।

समाज को यह भी स्वीकार करना चाहिए कि कौशल आधारित व्यवसाय सम्मान के योग्य हैं। किसी व्यक्ति का मूल्य केवल उसकी शैक्षणिक डिग्रियों या पदों से निर्धारित नहीं होना चाहिए। ईमानदार मेहनत, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

हर टाँका एक नई शुरुआत

सिलाई हमें एक महत्वपूर्ण सीख देती है कि बड़े बदलाव अक्सर छोटे प्रयासों से शुरू होते हैं। एक साधारण टाँका फटे हुए कपड़े को जोड़ सकता है, लेकिन सीखा हुआ कौशल टूटी हुई उम्मीदों को फिर से जोड़कर नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है।

हर हाथ से तैयार किए गए



परिधान के पीछे दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस की कहानी हो सकती है। कोई माँ अपने बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल की वर्दियों सिल रही हो सकती है। कोई युवती अपनी पहली स्वतंत्र आय अर्जित कर रही हो सकती है। कोई संघर्षरत परिवार घर से काम करके आर्थिक स्थिरता की ओर बढ़ रहा हो सकता है।

इसलिए सिलाई का कौशल केवल कपड़े और धागे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों, संभावनाओं और प्रगति से जुड़ा हुआ है। व्यावसायिक शिक्षा में निवेश

करके और कुशल लोगों को प्रोत्साहित करके हम एक साधारण सिलाई मशीन को सशक्तीकरण का प्रभावशाली साधन बना सकते हैं।

सिलाई का हर टाँका आशा की एक कहानी कहता है और प्रत्येक सशक्त व्यक्ति हमें एक समावेशी, आत्मनिर्भर तथा संवेदनशील समाज के ओर करीब ले जाता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल ।
शैक्षिक स्तंभकार । प्रख्यात शिक्षाविद् **गली कौर चंद, एम.एच.आर. मलोत, पंजाब – 152107**



संपादकीय

चिंतन-मनन

किताबों का सफर: शब्दों के सहारे दुनिया की सैर

डॉ. विजय गर्ग

यात्रा करना जीवन के सबसे आनंददायक और ज्ञानवर्धक अनुभवों में से एक है। यह हमें नए स्थानों, संस्कृतियों, परंपराओं और लोगों से परिचित कराती है। लेकिन यात्रा करने के लिए हमेशा रेलगाड़ी का टिकट, हवाई जहाज या पासपोर्ट आवश्यक नहीं होता। कई बार केवल एक किताब ही पर्याप्त होती है। पढ़ने के माध्यम से हम दूर-दराज के देशों की सैर कर सकते हैं, प्राचीन सभ्यताओं को जान सकते हैं और अपने घर बैठे ही सदियों पुराने समय में पहुँच सकते हैं।

किताबें हमारी ऐसी अद्भुत साथी हैं, जो हमारे लिए अनगिनत संसारों के दरवाजे खोलती हैं। यात्रा से संबंधित कोई पुस्तक हमें हिमालय के बर्फ से ढके पहाड़ों, राजस्थान के रेगिस्तानों, कश्मीर की सुंदर वादियों या लंदन की व्यस्त सड़कों तक ले जा सकती है। इतिहास की कोई पुस्तक हमें प्राचीन भारत, रोमन साम्राज्य या मिस्र की महान सभ्यता से परिचित करा सकती है। प्रत्येक पृष्ठ के साथ हमारी कल्पना नई उड़ान भरने लगती है।

किताबों के माध्यम से यात्रा करना केवल पढ़ना नहीं, बल्कि मन और मस्तिष्क का एक रोमांचक सफर है। जब हम कोई कहानी पढ़ते हैं, तो उसके पात्रों की कल्पना करते हैं, घटनाओं को अपने मन में चित्रित करते हैं और उससे जुड़ी भावनाओं को अनुभव करते हैं। एक अच्छा लेखक हमें ऐसा अनुभव कराता है, मानो हम अनजान गलियों में घूम रहे हों, पहाड़ों पर चढ़ रहे हों, नदियाँ पार कर रहे हों या विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों से मिल रहे हों। यह काल्पनिक यात्रा पढ़ने को मनोरंजक और शिक्षाप्रद बनाती है।

किताबें हमें दूसरी संस्कृतियों को समझने में भी सहायता करती हैं। विभिन्न देशों के बारे में पढ़कर हम उनके खान-पान, त्योहारों, भाषाओं, मान्यताओं और जीवनशैली के बारे में जान सकते हैं। यह ज्ञान विविधता के प्रति सम्मान विकसित करता है और पूर्वाग्रहों को कम करता है। हमें समझ में आता है कि भले ही लोगों की भाषाएँ और परंपराएँ अलग-अलग हों, लेकिन उनकी आशाएँ, सपने और भावनाएँ अक्सर समान होती हैं।



विद्यार्थियों के लिए किताबों के माध्यम से ज्ञान की यात्रा विशेष रूप से उपयोगी है। पाठ्यपुस्तकें आवश्यक ज्ञान प्रदान करती हैं, जबकि जीवनीय, यात्रा-वृत्तांत, उपन्यास और ऐतिहासिक पुस्तकें उनकी सोच का दायरा बढ़ाती हैं। वैज्ञानिकों, खोजकर्ताओं, आविष्कारकों और समाज सुधारकों के जीवन के बारे में पढ़ना युवाओं को रचनात्मक सोच अपनाने और जीवन में सार्थक लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करता है। किताबें शब्द-भंडार, संवाद-कौशल, एकाग्रता और तार्किक सोच को भी विकसित करती हैं।

किताबों के माध्यम से यात्रा करने का एक बड़ा लाभ यह है कि यह लगभग हर व्यक्ति की पहुँच में हो सकती है। वास्तविक यात्रा महँगी और समय लेने वाली हो सकती है, लेकिन किताबें अपेक्षाकृत सस्ती होती हैं और पुस्तकालयों, विद्यालयों तथा डिजिटल माध्यमों से उपलब्ध हो जाती हैं। किसी छोटे गाँव में रहने वाला विद्यार्थी भी किताबों के माध्यम से दुनिया के प्रसिद्ध संग्रहालयों, दूर-दराज के प्राकृतिक पर्यावरणों और वैज्ञानिक खोजों के बारे में जान सकता है। डिजिटल पुस्तकालयों ने इस अवसर को और अधिक सुलभ बना दिया है।

हालाँकि, किताबों के सफर का वास्तविक आनंद लेने के लिए अच्छी पुस्तकों का चयन करना भी आवश्यक है। पाठकों को विज्ञान, साहित्य, इतिहास, भूगोल, दर्शन और यात्रा-साहित्य जैसे विभिन्न विषयों की पुस्तकें पढ़नी चाहिए।

अंततः, किताबें केवल छपे हुए पन्नों का संग्रह नहीं हैं। वे लोगों, संस्कृतियों, पीढ़ियों और विचारों को जोड़ने वाले पुल हैं। वे हमें उन स्थानों तक पहुँचाती हैं, जहाँ शायद हम कभी वास्तविक रूप से न जा सकें, और ऐसे लोगों से परिचित कराती हैं, जिनसे जीवन में कभी मुलाकात न हो पाए।

इसलिए, जब भी आपका कहीं घूमने का मन हो, एक अच्छी किताब उठाइए और अपनी यात्रा शुरू कर दीजिए। आपको एहसास होगा कि दुनिया के सबसे अद्भुत गंतव्य हमेशा नक्शों पर नहीं मिलते; उनमें से कई किताबों के पन्नों के बीच चुपचाप आपकी प्रतीक्षा कर रहे होते हैं।

सेवानिवृत्त प्राचार्य । प्रख्यात वैज्ञानिक **स्ट्रीट कौर चंद, एम.एच.आर. मलोत, पंजाब – 152107**



